

Shri Raghunatha Temple MSS. Library,
2961 JAMMU

No. 2460

Title पश्चिमसौत्रम्

Author

Extent ४ पत्रा Age सं. २५४९

Subject

सौत्रम्

नं. ५३२

शिवस्तोत्र

नं. १५०० ✓

26

5971

F-4

Complete



नं. १५६००
शिव लाल
४ मं मास
१५/६/००
नं. १५६००

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॐ नमः शिवाय श्रीम
नरुचरचरण कमलेभ्यो नमः ॐ अतिथी
षण्कटुभाषणाय मर्कटकरपटलीकृतता

श्री० १

उ न परि पी उ न म र ण ग म स म ये
उ म र्ग स ह म म चे त सि य म शा स न
व स म् शिव शं क र शिव शं क र ह र मे

हरदुरितं१ अतिदुर्नयचतुलेन्द्रियरिपु
संचयदलितेपविकर्कशकटजल्पितरव
लगूर्हराचलितेशिवयासहस्रमचेतसि श

शिः २

२

शिशोवरनिवसम् शिवशंकरशिवशंकरह
रमेहरदुरितम् रम्यवमजिनैवलुवञ्चनपु
रहृदनुजान्नकमदनान्नकरविजान्नकम

गवन् गिरिजावरकरुणाकरपरमेश्वर
मयहन् शिवशंकरशिवशंकरहरमैहरद
दितम् ३ शक्रशासनकुतशासनचतुराश्र

शि. ३

3

सविषये कवि विग्रह ननु ग्रह नृपदु
र्लभ समये द्विज व्रिय वनिता शिशुदर
कंपित हृदये शिवं कर शिवं कर

शि. ४

५

February —

5224

शिवसोम